DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Circular / Acad [Syllabus] Section/ M.A. Hindi./Curri./2022.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of the Dean of Faculty of Humanities, the Academic Council at it's Meeting held on 15th March, 2022 **has accepted the revised curriculum of** ***"M.A. Hindi [Semester III & IV]"*** *for common syllabi of University Department and affiliated Colleges"* under Choice Based Credit & Grading System.

This is effective from the Academic Year 2022-23 and onwards as appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. SU/Hindi/P.G./
Course/2022/ 11746-56

Date: 08.04.2022.

Deputy Registrar,
Academic [Syllabus].

****

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Head, Department of Hindi,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
2] **The Principal, all affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
3] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
2] **The Section Officer, [M.A. Unit] Examination Branch,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
7] The Public Relation Officer,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

DrK*080422/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Curriculum of

M. A. [Hindi]

Semester-III & IV

under Choice Based Credit & Grading System Pattern'

Implemented at College and University Campus Level

9-3-22

Dean,
Faculty of Humanities.

प्रोफेसर डॉ शिवाजी सांगोळे
शोध - निर्देशक एवं हिन्दी विभाग प्रमुख
मोरेश्वर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय,भोकरदन

[Effective from the Academic Year 2022-23 & Onwards]

MA II - Hindi Semester –III

	Theory Courses			
	Course No	Subject Title	Credits Teaching Learing	Work Load/ Weekly/Hours
Core Coure	Hindi 501	भारतीय साहित्य : भाग- I	4	5
	Hindi 502	हिंदी भाषा का इतिहास	4	5
	Hindi 503	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र रोजगारमूलक हिंदी	Hindi 507	कार्यालयीन हिंदी	4	5
	Hindi 508	माध्यम लेखन	4	5
	Hindi 509	अनुवाद विज्ञान	4	5
	Hindi 510	हिंदी कम्प्यूटरिंग	4	5
	Hindi 511	भाषिक संप्रेषण	4	5
	Hindi 512	भाषा शिक्षण	4	5

MA II - Hindi Semester -IV

Core Coure	Hindi 504	भारतीय साहित्य : भाग- II	4	5
	Hindi 505	भाषाविज्ञान	4	5
	Hindi 506	शोध प्रविधि	4	5
वैकल्पिक प्रश्नपत्र	Hindi 513	हिंदी के विभिन्न विमर्श	4	5
	Hindi 514	आलोचना तथा विविध वाद	4	5
	Hindi 515	विधा स्वरूप विवेचन	4	5
	Hindi 516	विशेष रचनाकार -प्रेमचंद	4	5
	Hindi 517	विशेष रचनाकार- सुशीला टाकभौरे	4	5
	Hindi 518	विशेष रचनाकार - शंकर पुणतांबेकर	4	5

MA II - Hindi Semester –III

Core Course - 501 - भारतीय साहित्य- भाग – I

उद्देश्य : -

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरुप का अध्ययन करना ।
2. भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य के माध्यम से भारतीयत्व की पहचान करना ।
3. भारतीय साहित्य की सैध्दांतिकी का अध्ययन करना ।
4. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा को समझना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. रचनाकार/ अनुवादक /आलोचकों से साक्षात्कार
4. छात्र-संवाद /छात्र- संगोष्ठी
5. स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	भारतीय साहित्य की अंवधारणा एवं स्वरूप, भारतीय भाषाओं में लिखित साहित्य,सांस्कृतिक ,सामाजिक तथा भौगोलिक परिवेश में भारतीय साहित्य के मूल्यांकन के विविध दृष्टिकोण,भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव,भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त जीवनमूल्य एवं वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा, भारतीय साहित्य पर महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद,महर्षि अरविंद तथा डॉ बाबासाहब अम्बेड़कर.का प्रभाव	15
2	भारतीयता के पहचान के सूत्र : विविधता मे एकता, पारिवारिक संरचना में एकरूपता , सामाजिक संरचना में एकरूपता भाषाई विविधता भारतीय साहित्य के आधार तत्व : समान सांस्कृतिक आधारभूमि, समान राजनीतिक आधारभूमि, समान साहित्यिक आधारभूमि, भारतीय साहित्य में अनुवाद की भूमिका, महत्त्व, आवश्यकता	15
3	घासीराम कोतवाल - संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4	अधूरे मनुष्य - संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें -

1. घासीराम कोतवाल – विजय तेंदुलकर (मराठी नाटक), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. अधूरे मनुष्य - (सम्पूर्ण कहानियां) डी.जयकांतन (तमिल कहानी संग्रह),भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ : -

1. भारतीय साहित्य : डॉ नगेंद्र : प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : डॉ रामछबीला त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : सं मूलचंद गौतम : राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : डॉ ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, समवेत प्रकाशन कानपुर
5. भारतीय साहित्य : डॉ लक्ष्मीकांत पांडेय , ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर
6. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अंध्ययन :डॉ हेब्बरी ,साहित्य रत्नालय ,कानपुर
7. मराठी साहित्य : परिदृश्य : चंद्रकांत बंदिवडेकर, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
8. कन्नड साहित्य का इतिहास : रं.श्री मुंगळी,अनु. गौरीश कायकिणी,साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10 भारतीय रंगमंचशास्त्र एवं आधुनिक रंगमंच : डॉ. कैलाशचंद शर्मा ,जयभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
11. भारतीय साहित्य और आदिवासी विमर्श -डॉ माधव सोनटक्के / प्रोफेसर संजय राठोड

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :-80

भाग - अ

20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब

60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Courcse - **502 हिंदी भाषा का इतिहास**

उद्देश्य

१. हिंदी भाषा का संरचात्मक अध्ययन

२. हिंदी भाषा के विकासक्रम का अध्ययन

३. हिंदी की बोलियों का अध्ययन

अध्ययन अध्यापन पद्धति

१. व्याखान

२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग

३. स्वाध्याय

४. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

• **पाठ्यांश**	तासिकाएं
1. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण अ) संसार के भाषा परिवार : सामान्य परिचय आ) भारत वर्ष के भाषा परिवार : सामान्य परिचय 2. हिंदी: उद्भव और विकास अ) भारतीय आर्यभाषा : विकासात्मक परिचय आ) हिंदी भाषा : विकासात्मक परिचय	15
3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार अ) हिंदी की उपभाषाएं एवं बोलियों आ) पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ इ) पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ ई) राजस्थानी हिंदी और उसकी बोलियाँ उ) बिहारी हिंदी और उसकी बोलियाँ ऊ) पहाड़ी हिंदी और उसकी बोलियाँ	15
4. हिंदी भाषा की संरचना अ) हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खंडय तथा खंडेतर आ) हिंदी की शब्द रचना : उपसर्ग ,प्रत्यय,समास इ) हिंदी की रूप रचना : लिंग ,वचन ,कारक ई) हिंदी की वाक्य रचना : पदक्रम और अन्वय 5. हिंदी की शब्द सम्पदा :तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर	15
6. हिंदी और देवनागरी लिपि अ) लिपि : तात्पर्य एवं स्वरुप आ) देवनागरी लिपि : उद्धव और विकास इ) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता ई) देवनागरी लिपि : दोष एवं त्रुटियाँ	15

उ) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास ऊ) संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि ऋ) मानक हिंदी और देवनागरी लिपि	
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदय नारायण तिवारी : लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद
2. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : डॉ हेतु भारद्‌वाज / डॉ रमेश राउत ,पंचशील प्रकाशन ,जयपुर
3. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ भोलानाथ तिवारी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
4. हिंदी उद्‌भव ,विकास रूप : हरिदेव बाहरी : वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
5. हिंदी भाषा की संरचना :डॉ भोलानाथ तिवारी ,शब्दकार प्रकाशन , नई दिल्ली
6. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास :प्रो सत्यनारायण त्रिपाठी ,विश्वविद्‌यालय प्रकाशन , वाराणसी
7. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. *राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान – देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद*
9. हिंदी की संवैधानिक हिंदी - राजभाषा विभाग, नयी दिल्ली
10. *नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली*

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	**80**	**100**
10	**10**		

समय **:- 2 घंटे** **कुल अंक :-80**

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 503 - प्रयोजनमूलक हिन्दी

उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी के सिद्धान्त और प्रविधि से छात्रों को अवगत करना।
2. कार्यालयीन हिन्दी का अनुप्रयोग सीखाना ।
3. कार्यालयीन हिन्दी में संगणक की उपयोगिता को समझाकर उसका उपयोग करना सीखाना ।
4. पारिभाषिक शब्दावली का महत्व एवं उपयोगिता समझाकर उसके प्रयोग के लिए प्रेरित करना।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1. व्याखान
2. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**प्रयोजनमूलक हिन्दी :संकल्पना और अनुप्रयोग** प्रयोजनमूलक हिंदी तात्पर्य बोध,स्वरूप और परिभाषाएँ प्रयोजमूलक हिंदी का प्रयुक्ति क्षेत्र : व्याप्ति अथवा प्रयुक्ति प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध प्रकार प्रयोजमूलक हिंदी : उपयोगिता एवं महत्व प्रयोजमूलक हिंदी की विशेषताएँ ,सीमाएँ एवं संभावनाएँ	15
2	**कार्यालय क्रियाविधि :** पंजीयन,टिप्पण,आलेखन,प्रेषण, संक्षेपण,प्रतिवेदन,कार्यवृत्त, पल्लवन, आदेश, परिपत्रक, प्रेस विज्ञप्ति,रिपोर्टिग	15
3	**प्रयोजनमूलक हिंदी के विकास में संस्थाओं का सहयोग :-** केन्द्रीय हिंदी निदेशालय,वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग,राजभाषा विधाई आयोग,केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, केन्द्रीय हिंदी संस्थान	15
4	**पारिभाषिक शब्दावली :** पारिभाषिक शब्दावली की संकल्पना , पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषाएँ,संरचना एवं स्वरूप,पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण का इतिहास :- क) स्वतंत्रता पूर्व का निर्माण ख) स्वतंत्रता के बाद का निर्माण,पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ अथवा गुण, पारिभाषिक शब्दावली की आवश्यकता एवं महत्व,पारिभाषिक शब्दावली का वर्गीकरण	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1.प्रयोजमूलक प्रशासनिक हिन्दी - प्रो.दिशेश चमोला, आदिश प्रकाशन, गढ़ विहार,फेज -1 देहरादुन

2.प्रयोजनमूलक हिन्दी- विशाला शर्मा , विकास प्रकाशन,कानपुर

3. प्रयोजन मूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996

4. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिन्दी, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, कलिंगा पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1995

5. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1987

6. कार्यलयीन हिन्दी (प्राज्ञ पाठमाला), संयोजन एवं संपादन एम. एल बहादुर सिहं, राजभाषा विभाग गृहमंत्रालय, नई दिल्ली 1989

7. प्रयोजनमूलक हिन्दी स्थिति संदर्भ और प्रयुक्ति विश्लेषण, प्रो. आर. एस. सर्राजु, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 20056

8. कार्यालय सहायिका, संपा, हरिबाबु कंसल आदि, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् नई दिल्ली, 1994

9. कार्यालय अनुवाद की समस्याएँ, डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रका. दिल्ली, 1993

10. टिप्पणियाँ एवं प्रारूप लेखन, डॉ. शिवनारायण चतुर्वेदी, पुस्तक महल,दिल्ली, 1993

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 507 - कार्यालयीन हिंदी

उद्देश्य :

1. कार्यालयीन हिंदी के प्रयोग को समझना ।
2. प्रशासनिक पत्राचार–लेखन से छात्रों को परिचित कराना ।
3. कार्यालयीन विशेष भाषा के रूप में प्रयोनमुलक हिंदी के महत्त्व को प्रकट करना ।
4. कार्यालयीन अनुवाद से छात्रों को अवगत कराना ।

अध्ययन –अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान पद्धति
2. कार्यशाला
3. सर्वेक्षण एवं निरीक्षण
4. दृक - श्राव्य साधनों का प्रयोग

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	कार्यालयी या कामकाजी हिंदी : कार्यालयी हिंदी : स्वरूप एवं विशेषताएँ कार्यालयी हिंदी के उद्देश्य एवं कार्य, कार्यालयी भाषा तथा साहित्यिक भाषा में अंतर कार्यालयीन हिंदी के भेद :प्रशासनिक हिंदी,साहित्यिक हिंदी,व्यावसायिक हिंदी,तकनीकी हिंदी	15
2	कार्यालयीन हिंदी : शब्दावली एवं अभिव्यक्तियाँ, प्रशासनिक शब्दावली से तात्पर्य एवं स्वरूप ,प्रशासनिक शब्दावली का महत्त्व और उपयोग , कार्यालयीन शब्दावली के व्यावहारिक क्षेत्र :- बैंक कार्यालय संबंधी शब्दावली, बीमा कार्यालय संबंधी शब्दावली, न्यायालय संबंधी शब्दावली, रेल कार्यालय संबंधी शब्दावली	15
3	कार्यालयीन पत्र : लेखन और प्रक्रिया, कार्यालयीन पत्र का स्वरूप, परिभाषा एवं विशेषताएँ, कार्यालयीन पत्रों के अंग,कार्यालयीन पत्र लेखन की भाषागत विशेषाताएँ , सरकारी या प्रशासकीय पत्र : विविध रूप सरकारी पत्र, अर्ध्दसरकारी पत्र, कार्यालयी ज्ञापन,अधिसूचना संकल्प या प्रस्ताव, कार्यालयी आदेश, प्रेस विज्ञापन नोट, पृष्ठांकन, परिपत्र,भारतीय, राजपत्र (गजट)	15
4	कार्यालयीन अनुवादः कार्यालयीन अनुवाद का स्वरूप एवं विशेषताएँ, कार्यालयीन अनुवाद की आवश्यकता, कार्यालयीन अनुवाद के प्रकार / भेद, कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ और समाधान	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, संपादक, डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवस्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1975
2. राजभाषा हिन्दी को प्रयोग संबंधी नियम पुस्तिका, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली 1998
3. राजभाषा हिंदी : प्रकाशन विभाग, दिल्ली
4. राजभाषा हिंदी : केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
5. प्रशासनिक हिंदी : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त एवं प्रयोग : दंगल झाल्टे
7. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना एवं प्रयोग : डॉ. माधव सोनटक्क`
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विनोद गोदरे
9. कामकाजी हिंदी : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
10. कार्यालयीन हिंदी : डॉ. मनोज पाण्डेय

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 508 - माध्यम लेखन

- **उद्देश्य**
  1. जनसंचार माध्यमों का अध्ययन
  2. माध्यमोपयोगी लेखन का सैद्धान्तिक अध्ययन
  3. माध्यम लेखन कौशल व विकास

- **अध्ययन-अध्यापन पद्धति**
  1. व्याख्यान
  2. दृक/श्राव्य साधनों का प्रयोग
  3. कार्यशाला/अभ्यास
  4. मीडियाकर्मियों से साक्षात्कार

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	जन-संचार: स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र:जनसंचार: तात्पर्य एवं स्वरूप,संचार प्रक्रिया,संचार के क्षेत्र एवं प्रकार,संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा,संचार माध्यमों की भाषा,हिंदी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्यागिकी की चुनौतियाँ।	15
2	जनसंचार माध्यम के भेद परपंरागत माध्यम: तमाशा, लावणी, कठपुतली रासलीला, नौटंकी आधुनिक माध्यम: समाचारपत्र ,रेडियो,सिनेमा,दूरदर्शन,इंटरनेट,मोबाइल फोन नवइलैक्ट्रानिक माध्यम इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतिकरण की प्रविधि।	15
3	माध्यमों के लिए लेखन: स्वरूप और प्रकार: माध्यम/संचारभाषा :स्वरूपगत विशेषताएँ,माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन,माध्यम लेखन के प्रमुख प्रकार,माध्यम लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य,मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम,माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास	15
4	मुद्रित माध्यम के लिए लेखन: समाचार,फिचर,विज्ञापन,संपादकीय, ब्लॉगलेखन, डॉक्यूमेंट्री लेखन श्राव्य माध्यम के लिए लेखन: रेडियो वार्ता,रेडियो नाटक दृक-श्राव्य माध्यम के लिए लेखन: धारावाहिक,विज्ञापन,टेलीफिल्म,फिचर फिल्म तथा वृत्तचित्र लेखन	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया लेखन :सिद्धान्त और व्यवहार : डॉ. चंद्रप्रकाश :संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी :सं.सुधीर पचौरी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप :डॉ.माधव सोनटक्के, छाया पब्लिकेशन, औरंगाबाद
4. पटकथा लेखन: एक परिचय :मनोहर श्याम जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. टेलीविजन लेखन: अजगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. रेडियो नाटक की कला: डॉ.सिद्धानाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भारतीय सिने सिद्धांत :अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रेडियो लेखन :मधुकर गंगाधर, हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
9. सिनेमा और साहित्य – हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　कुल अंक :-80

भाग - अ　　　　　　　　　　20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए I (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए I (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए I (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए I (05 अंक)

भाग - ब　　　　　　　　　　60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 509 - अनुवाद विज्ञान

उद्देश्य : -

1 अनुवाद प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करना ।

2 अनुवाद कौशल का विकास करना ।

3 अनुवाद के महत्त्व को समझना ।

4 अनुवाद की रोजगारपरकता स्पष्ट करना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान
6. स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	अनुवाद : अर्थ,परिभाषा, स्वरुप और क्षेत्र, अनुवादक के गुण,अनुवाद : विज्ञान अथवा कला,अनुवाद का महत्व,अनुवाद की प्रक्रिया प्रविधि और सिध्दांत,अनुवाद के उपकरण,अनुवाद की विभिन्न शैलियाँ	15
2	अनुवाद विज्ञान:तात्पर्य एवं स्वरूप अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष,अनुवाद और ध्वनि विज्ञान,अनुवाद और वाक्य विज्ञान,अनुवाद और रूप विज्ञान, अनुवाद और अर्थ विज्ञान	15
3	प्रयोजनमूलक अनुवाद : कार्यालयी अनुवाद,मीडिया के क्षेत्र में अनुवाद,वैज्ञानिक एवं तकनीकी सामग्री का :अनुवाद	15
4	साहित्यानुवाद के विविध आयाम: काव्यानुवाद, कथानुवाद,नाट्यानुवाद,विविध साहित्यिक विधाओं का अनुवाद	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. अनुवाद सिध्दान्त की रूपरेखा :डॉ सुरेशकुमार,वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ : डॉ भोलानाथ तिवारी / डॉ गोस्वामी / गुलाटी शब्दाकार , गुरू अंगदनगर दिल्ली
3. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक अनुवाद की दिशाएँ : डॉ हरिमोहन ,तक्षशिला प्रकाशन,दरियागंज ,नई दिल्ली
4. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ भोलानाथ तिवारी / जितेंद्र गुप्त , शब्दाकार , दिल्ली -92
5. ई अनुवाद और हिंदी : डॉ हरीशवुत्मार सेठी ,किताबघर , अंसारी रोड ,दरियागंज , नई दिल्ली
6. अनुवाद एवं भाषान्तरण :पाठ और अंभ्यास:सं.-रवींद्र गर्गेश कृष्णकुमार गोस्वामी ,ओरियंट लौगमैन, नई दिल्ली
7. अनुवाद का समाजशास्त्र : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे ,अमित प्रकाशन , दिल्ली
8. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग-प्रो. जे. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
9. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग- कैलाशचंद्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
10. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव और कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
11. अनुवाद का सामायिक परिप्रेक्ष्य- प्रो. दिलीप सिंह (सं)., द.भा.हि.प्र. सभा, चेन्नई

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।(05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए ।(05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 510 - हिंदी कम्प्यूटिंग

उद्देश्य :

1. हिंदी कम्प्यूटिंग का समान्य ज्ञान प्राप्त कराना ।
2. हिंदी कम्प्यूटिंग के महत्त्व को उजागर करना ।
3. कम्प्युटर प्रबंधन की सामान्य जानकारी देना ।
4. इंटरनेट के सामान्य परिचय से छात्रों को अवगत कराना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान
6. स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	हिंदी कम्प्यूटिंग : स्वरूप और अवधारणा - हिंदी कम्प्यूटिंग :परिचय हिंदी कम्प्यूटिंग: विकास यात्रा,हिंदी कम्प्यूटिंग के आधारभूत तत्व, हिंदी कम्प्यूटिंग का वर्तमान स्वरूप तथा भविष्य, हिंदी कम्प्यूटिंग : बाधाएँ एवं उपाय , हिंदी कम्प्यूटिंग : युनिकोड	15
2	हिंदी इंटरनेट - सामान्य परिचय इंटरनेट का ऐतिहासिक परिदृश्य,इंटरनेट का विकास,भारत में इंटरनेट का आरंभ इंटरनेट से मिलने वाली सुविधाएँ ,इंटरनेट उपयोग एवं महत्त्व	15
3	कार्यालयों में कम्प्यूटर कार्यः माइक्रोसाप्ट वर्ड संबंधी कार्य डाक्यूमेंट बनाना, डाक्युमेंट का रूपांकन, टेक्स्ट का प्रारूप, बदलना मेल मर्ज करना, डाक्यूमेंट का टेम्पटेल बनाना	15
4	पेज मेकर :नई फाईल का निर्माण, डाक्युमेंट का रूपांकन करना, टूल बॉक्स कार्यालय प्रयुक्ति में कम्प्यूटर संबंधी समस्याएँ	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. कम्प्यूटर का सहजबोध - इकबाल मु. अली/सुरेश सलील- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा,-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कम्प्यूटर क्या, क्यों और कैसे -रामबंसल 'विद्याचार्य'- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कम्प्यूटर समान्य ज्ञान एवं युजर गाईड -रामबंसल 'विद्याचार्य'- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास -रामबंसल 'विद्याचार्य'- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. माध्यमिक कम्प्यूटर शिक्षा -रामबंसल 'विद्याचार्य', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मानव मित्र कम्प्यूटर - प्रशांत भूषण - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रारंभिक कम्प्यूटर शिक्षा -रामबंसल 'विद्याचार्य'- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे

कुल अंक :-80

भाग - अ

20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब

60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 511 भाषिक संप्रेषण

उद्देश्य :

1. संप्रेषण की कला का महत्त्व प्रतिपादित करना |
2. संप्रेषण में भाषा के महत्त्व को विशद करना |
3. संप्रेषण के मौखिक और लिखित प्रकारों को समझाना |

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान
6. स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**संप्रेषण :सैध्दांतिक स्वरूप :-** संप्रेषण का अर्थ और परिभाषा , संपेषण का प्रयोजन, संप्रेषण की प्रक्रिया ,संप्रेषण के प्रकार ,संप्रेषण के बाधक तत्व ,संप्रेषण की चुनौतियाँ	15
2	**हिन्दी का भाषिक स्वरूप :-** हिंदी भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप , हिन्दी भाषा के विविध रूप , भाषा और भाषिक संरचना के विविध स्तर, भाषा के प्रकार्य ,भाषा का सामाजिक संदर्भ ,भाषा की विशेषताएँ	15
3	**भाषा और मौखिक संप्रेषण :** मौखिक संप्रेषण का स्वरूप ,मौखिक संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण,मौखिक संप्रेषण के लाभ ,मौखिक संप्रेषण के दोष , मौखिक संप्रेषण के विविध प्रकार :- - बातचीत, संवाद, बैठकें, सम्मेलन, सभाएँ, साक्षात्कार, व्याख्यान, उद्घोषणा, रेडियो वार्ताएँ , टेलीफोन या भ्रमणध्वनि पर बातचीत,कहानी कथन,पौराणिक आख्यानों का प्रस्तुतीकरण, वाद-विवाद या वक्तृत्व, प्रतियोगिताएँ, अदालती मुकदमें और संसदीय बहस आदि का परिचय	15
4	**भाषा और लिखित संप्रेषण :** लिखित संप्रेषण का स्वरूप ,लिखित संप्रेषण हेतु आवश्यक गुण,लिखित संप्रेषण के लाभ,लिखित संप्रेषण के दोष,लिखित संप्रेषण के विविध प्रकार : पत्र लेखन, रिपोर्ट लेखन, नोट या टिप्पण लेखन, विज्ञापन लेखन, ई-मेल, ब्लॉग,ट्वीटर, फेसबुक लेखन और इंस्टाग्राम लेखन आदि ।	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ : -

1. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषिकी हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण -डॉ.अम्बादास देशमुख
3. संप्रेषण परक व्याकरण : सिध्दांत और प्रारूप - सं. सुरेश कुमार ,केन्द्रीस हिंदी संस्थान,आगरा
4. व्यवसायिक संप्रेषण -डॉ.अनूपचन्द्र पु.भायाणी
5. हिन्दी भाषा -डॉ.हरदेव बहारी
6. हिन्दी भाषा का इतिहास - डॉ.भोलानाथ तिवारी
7. मौखिक कौशल (खंड **1-2**) संपादन केन्द्रीय हिंदी संस्थान,आगरा
8. व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार -दंगल झाल्टे
9. मानक हिन्दी स्वरूप और संरचना - डॉ. रामप्रकाश
10. परिष्कृत हिन्दी व्याकरण - बद्रीनाथ कपुर
11. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन - डॉ.बापूराव देसाई

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 512 - *भाषा शिक्षण*

उददेश्य :

1. *भाषा शिक्षण संदर्भ और भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं को स्पष्ट करना*
2. *भाषा शिक्षण की विधियाँ समझाना*
3. *हिंदी शिक्षण की यथोचित जानकारी प्रदान करना*
4. *भाषा परीक्षण के प्रकार तथा मूल्यांकन के प्रकार के संदर्भ में स्नातकोत्तर छात्रों को जानकारी प्रदान करना*

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला का आयोजन
4. कोशों का प्रयोग
5. विशेषज्ञ अतिथियों के व्याख्यान
6. स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	***भाषा शिक्षण संदर्भ और भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ :*** *भाषा शिक्षण : राष्ट्रीय ,सामाजिक , शैक्षिक और भाषिक* *भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएँ : प्रथम भाषा/मातृभाषा तथा अन्य भाषा संकल्पना, अन्य भाषा कं अंतर्गत व्दितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना, मातृभाषा व्दितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर , सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा – शिक्षण*	**15**
2	***भाषा शिक्षण की विधियाँ :*** *भाषा कौशल : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशल* *भाषा कौशल के रूप में शिक्षण, भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास* *अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ : व्याकरण–अनुवाद– विधि,प्रत्यक्ष विधि , मौखिक वार्तालाप विधि ,संरचनात्मक विधि ,व्दिभाषिक शिक्षण विधि*	**15**
3	***हिंदी भाषा शिक्षण:*** *हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा , दुरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन से संदर्भित शिक्षा* *व्दितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में शिक्षण* *विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिदी शिक्षण।*	**15**
4	***भाषा परीक्षण और मूल्यांकन :*** ○ *भाषा परीक्षण और मूल्यांकन की संकल्पना* ○ *भाषा परीक्षण के प्रकार* ○ *मूल्यांकन के प्रकार*	**15**
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1- मानव संसाधन के रूप में भाषा की उपादेयता – डॉ. रामकिशोर शर्मा

2- व्यक्तित्व विकास में सहायक भाषिक व्यवहार एवं प्रबंधन जागरूकता – सं.डॉ. यज्ञप्रसाद तिवारी,डॉ. वीणा दाढे

1- भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा

2- भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा

3- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा

4- हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

5- हिंदी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी

6- हिंदी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु

7- Applied Linguistics : R.N. Srivastava

8- हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

9. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul

10. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

MA II - Hindi Semester –IV

Core Course - 504 - भारतीय साहित्य : भाग- II

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप को समझाना ।
2. भारत की विभिन्न भाषाओं में लिखे गए साहित्य में समान सूत्रों की पहचान कराना ।
3. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्यों का अध्ययन करना ।
4. भारतीय साहित्यकारों के योगदान को अधोरेखित करना ।

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1. व्याखान
२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
३. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	भारतीय साहित्य का इतिहास	15
2	भारतीय साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन	15
3	जंगल के दावेदार - संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
4.	हयवदन - संवेदना और शिल्पगत अध्ययन	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तकें -

1. जंगल के दावेदार - महाश्वेता देवी (बांग्ला उपन्यास),राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2. हयवदन : - गिरीश कार्नाड (कन्नड नाटक), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. भारतीय साहित्य : डॉ नगेंद्र : प्रभात प्रकाशन , नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य : डॉ रामछबीला त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : सं मूलचंद गौतम : राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, समवेत प्रकाशन कानपुर
5. भारतीय साहित्य : डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय , ज्ञानोदय प्रकाशन , कानपुर
6. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अंध्ययन :डॉ हेब्बरी ,साहित्य रत्नालय ,कानपुर
7. मराठी साहित्य : परिदृश्य : चंद्रकांत बंदिवडेकर, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
8. कन्नड साहित्य का इतिहास : रं.श्री मुंगळी,अनु. गौरीश कायकिणी,साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
10 भारतीय रंगमंचशास्त्र एवं आधुनिक रंगमंच : डॉ. कैलाशचंद शर्मा ,जयभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।

ई) सुमेलित कीजिए ।

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	ससंदर्भ व्याख्या कीजिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 505 - भाषा विज्ञान

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से छात्रों को अवगत कराना |
2. हिंदी की उपभाषाएँ तथा बोलियों का सामान्य परिचय देकर छात्रों को उससे अवगत कराना |
3. हिंदी शब्द रचना और रूप रचना संबंधी छात्रों को सूचित कराना |
4. हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूपों से छात्रों को परिचित कराना |
5. भाषा विज्ञान का सैद्धांतिक विवेचन करना |
6. भाषा विज्ञान के विविध अंगों का सामान्य परिचय कराना |
7. रूप ,रूपिम,वाक्य तथा अर्थ विज्ञान का सामान्य परिचय देना |

अध्ययन अध्यापन पद्धति

1. व्याखान
२. दृक - श्रव्य साधनों का प्रयोग
३. स्वाध्याय
4. अध्ययन यात्रा

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	भाषा की परिभाषा,स्वरुप, भाषा व्यवस्था,भाषा व्यवहार ,विशेषताएँ	10
2	**भाषा विज्ञान सैध्दांतिकी :** भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप,भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ: कोश विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, लिपि विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय ,वाग्वयव और उच्चारण प्रक्रिया , स्वनों का वर्गीकरण: स्वर और व्यंजन तथा स्वन परीवर्तन के कारण एवं दिशाएँ ।	10
3	**रूप एवं रूपिम विज्ञान** रूप (पद) की परिभाषा, संबंध तत्व और उसक भेद	10
4	**वाक्य विज्ञान** वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप, वाक्य की परिभाषाएँ, अभिहितान्वयवाद (पदवाद) वाक्य के भेद,वाक्य विश्लेषण,निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।	10
5	**अर्थ विज्ञान :-** अर्थ विज्ञान- अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ प्रतिति के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	10
6.	**ध्वनि विज्ञान या स्वन विज्ञान** अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, उपयोगिता	10
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

सन्दर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
2. हिंदी भाषा को संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषिक हिन्दी भाषा तथा भाषा शिक्षण- डॉ. अंबादास देशमुख
4. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषा- डॉ. भोलानाथ तिवारी
6. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी
7. भाषा विज्ञान- डॉ. रामस्वरूप खरे
8. भाषा विज्ञान- डॉ. डी. एम. दोमडिया
9. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा का इतिहास -डॉ.हणमंतराव पाटील/ सुधाकर शेंडगे
10. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिन्दी भाषा- डॉ. अंबादास देशमुख
11. भाषा विज्ञान के सिध्दांत - डॉ ओम प्रकाश शर्मा.
12. अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ ओम प्रकाश शर्मा.

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :-80

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

Core Course - 506 - शोध प्रविधि

उद्देश्य : -

1. छात्रों को शाध का महत् व समझाना ।
2. शोध - संस्कृति विकसित करना ।
3. छात्रों को शोध के लिए प्रेरित करना ।
4. शोध -प्रकिया की वैज्ञानिक विधि समझाना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	शोध : अंर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप शोध एवं चिंतन: सक्रिय चिंतन,निष्क्रिय चिंतन,बौद्धिक चिंतन,तार्किक चिंतन, सृजनात्मक चिंतन शोध के भेद :-साहित्यिक शोध तथा लोकसाहित्य में संबंधित शोध भाषावैज्ञानिक शोध : भाषा, बोलियॉ	15
2	शोध की प्रविधियॉ :-आलोचनात्मक प्रविधि,तुलनात्मक प्रविधि,विश्लेषनात्मक प्रविधि,सर्वेक्षनात्मक प्रविधि,ऐतिहासिक प्रविधि	15
3	शोध और आलोचना :साम्य,वैषम्य,परस्पर पूरकता शोध-संस्कार:शोधार्थी के गुण,शोध निर्देशक के गुण,दोष ,शोध के सोपान : विषय चयन, सामग्री संकलन , रूपरेखा निर्माण , शोध प्रबंध लेखन , सन्दर्भ लेखन , सन्दर्भ ग्रंथ सूची लेखन , अंतिम प्रारूप एवमं टंकन , प्रूफ शोधन	15
4	शोध में संगणक का प्रयोग साहित्य-शोध चोरी (Plagiarism)	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :-

1. शोध-प्रविधि : डॉ विजयमोहन शर्मा - नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. शोध स्वरुप एवं व्यावहारिक कार्य विधि -वैजनाथ सिंहल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
3. साहित्यिक अंनुसंधान के आयाम - डॉ आर के जैन दिल्ली
4. अनुसंधान प्रविधि -डॉ गणेशन एस एन नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. अनुवाद की भाषा एवं शब्दावली -संपा. डॉ सय्यद/डॉ मिर्ज़ा , हमदर्द पब्लिक लाइब्रेरी ,बीड
6 . शोध संस्कृति- डॉ संजय नवले. अमन प्रकाशन, कानपुर
7. अनुसंधान प्रक्रिया और रुपरेखा –डॉ देवीदास इंगले ,अमन प्रकाशन , कानपुर ,2008
8. अनुसंधान चिन्तन –अनुचितन –डॉ देवीदास इंगले , अमन प्रकाशन , कानपुर ,2008
9.अनुसन्धान एक विवेचन - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए ।(05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए ।(05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	-15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	-10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 513 - हिंदी के विभिन्न विमर्श

उद्देश्य :

1- विमर्शों की सामान्य जानकारी देना ।

2- विमर्शों के तात्विक विवेचन की जानकारी देना।

3- विभिन्न विमर्शों के उद्भव और विकास की जानकारी देना ।

4-

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-स्वाध्याय

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	हिंदी के विभिन्न विमर्श –उद्भव और विकास	15
2	हिंदी के विभिन्न विमर्श –तात्विक विवेचन	15
3	हिंदी के विभिन्न विमर्श से संबंधित रचनाकार (सामान्य परिचय) 1.स्त्री विमर्श-सुधा अरोड़ा, 2.दलित विमर्श-जयप्रकाश कर्दम, 3.आदिवासी विमर्श- हरीराम मीणा 4.अल्पसंख्याक विमर्श-अब्दुल बिस्मिल्लाह, 5.किन्नर विमर्श- चित्रा मुद्गल, 6.किसान विमर्श-शिवमूर्ति	15
4	7.विकलांग विमर्श-भारतेन्दु मिश्र, 8.पर्यावरण विमर्श - महुआ माझी, 9. घुमंतू विमर्श – रांगेय राघव, 10. लोकसाहित्य विमर्श – विजयदान देठा एवं अन्य विमर्श	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1) विमर्श की अवधारणा-स्वरुप और अवधारणा -डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे, परिदृश्य प्रकाशन,मुंबई

2) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि

3) थर्ड जेंडर-अतीत और वर्तमान ,डॉ.फिरोज खान

4) हिंदी दलित साहित्य का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय

5) स्त्री अस्मिता के सवाल - डॉ. प्रभा दीक्षित

6) वाचिकता : आदिवासी दर्शन, साहित्य और सौन्दर्यबोध – वंदना टेटे, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
7) आदिवासी स्वर एवं नयी शताब्दी : संपादक : रमणिका गुप्ता
8) घुमंतू जनजातियों का सांस्कृतिक अध्ययन-डॉ.गणपत राठोड,पूजा पब्लिकेशन,कानपुर
9) जनजातीय मिथक : माडिया : डॉ. वेरियर एलविन अनुवादक निरंजन महावर
10) आदिवासी - स्वर : संस्कार व प्रथाएँ : संपादक हरिनारायण दत्त , श्रीमती जसप्रीत बाजवा
11.हिंदी कथा साहित्य में वृद्ध विमर्श-दिलीप मेहरा
12.वृद्धावस्था विमर्श और हिंदी कहानी -डॉ.शिवकुमार राजौरिया
13.इक्कीसवीं सदी का नव्य विमर्श-विकलांग-दिव्यांग विमर्श-डॉ.रेखा दुबे
14. करंग घोडा नीलकंठ हुआ – महुआ माजी ,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली 2012

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे कुल अंक :-80

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)
आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)
इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)
ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र 514 - आलोचना तथा विविध वाद

उद्देश्य :

1- आलोचना शास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।

2- विविध वादों से परिचित कराना ।

3- आलोचना तथा विविध वादों से संबंधित रचना एवं रचनाकारों की जानकारी देना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएं
1	**मार्क्सवादी आलोचना :-**मार्क्सवादी आलोचना के आधार तत्व, मार्क्सवादी आलोचना की विशेषताएँ, मूल्य का श्रम सिद्धांत, ऐतिहासिक भौतिकवाद, पश्चिम के मार्क्सवादी आलोचक, भारत के मार्क्सवादी आलोचक, नव मार्क्सवादी आलोचक,प्रधान मार्क्सवादी कृतियाँ, प्रमुख मार्क्सवादी रचनाकार **मनौवैज्ञानिक आलोचना :-**मनौवैज्ञानिक आलोचना के आधार तत्व, मनौवैज्ञानिक आलोचना की विशेषताएँ, सिग्मण्ड फ्रायड का अंतश्चेतनावादी कला चिंतन, अल्फ्रेड एडलगर का व्यक्तित्व का सिद्धांत, कार्ल युंग के सिद्धांत में चेतन मन, कार्ल युंग क सिद्धांत में व्यक्तिगत अचेतन, कार्ल युंग के सिद्धांत में सामूहिक अचेतन, प्रधान मनौवैज्ञानिक कृतियाँ, प्रधान मनौवैज्ञानिक रचनाकार, प्रधान मनौवैज्ञानिक आलोचक	15
2	**गांधीवादी आलोचना :-**गांधीवादी आलोचना के आधार तत्व, गांधीवादी आलोचना की विशेषताएँ, ट्रस्टीशीप की अवधारणा और गांधी दर्शन, सत्य,अहिंसा और सत्याग्रह की अवधारणा, सर्वोदय की संकल्पना, गांधी दर्शन की प्रासंगिकता, गांधीवादी दर्शन से प्रभावित कृतियाँ, प्रमुख गांधीवादी साहित्य कृतियाँ, प्रमुख गांधीवादी रचनाकार, प्रमुख गांधीवादी आलोचक **सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना :-**सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा और स्वरूप, सौंदर्यशास्त्र आलोचना की विशेषताएँ, सौंदर्यशास्त्रः भारतीय अवधारणा, सौंदर्यशास्त्र : पश्चिमी अवधारणा, सौंदर्यशास्त्र में कला,संस्कृति और प्रकृति का महत्त्व, सौंदर्यशास्त्रीय रचनाएँ, सौंदर्यशास्त्रीय रचनाकार, सौंदर्यशास्त्रीय आलोचक	15
3	**स्त्रीवादी आलोचना :** स्त्रीवादी आलोचना के आधार तत्व, स्त्रीवादी आलोचना की विशेषताएँ, प्रधान स्त्रीवादी आंदोलन, स्त्री सशक्तिकरण की अवधारणा, स्त्रीवाद : भारतीय परिप्रेक्ष्य, स्त्रीवाद : पश्चिमी परिप्रेक्ष्य, स्त्रीवादी साहित्य कृतियाँ, स्त्रीवादी रचनाकार स्त्रीवादी आलोचक	15
4	**आंबेडकरवादी आलोचना :-**आंबेडकरवादी आलोचना के आधार तत्व, आंबेडकरवादी आलोचना की विशेषताएँ, प्रधान दलित मुक्ति आंदोलन, दलित विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, दलित विमर्श : पश्चिमी परिप्रेक्ष्य, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, आंबेडकर दर्शन से प्रभावित रचनाएँ, आंबेडकरवादी साहित्यकार, आंबेडकरवादी आलोचक	15

	तुलनात्मक आलोचना :-तुलनात्मक आलोचना के आधार तत्व, तुलनात्मक आलोचना की विशेषताएँ, तुलनात्मक आलोचना का महत्व, भारतीय परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक आलोचना, पश्चिमी परिप्रेक्ष्य में तुलनात्मक आलोचना, तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद, भारतीय साहित्य और तुलनात्मक आलोचना, सामान्य आलोचना और तुलनात्मक आलोचना में अंतर, प्रमुख तुलनात्मक आलोचक	
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1) समीक्षा शास्त्र के सिद्धान्त - डॉ. श्यामसुंदरदास
2) हिंदी साहित्य : बींसवी सदी - नंददुलारे वाजपेयी
3) रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
4) इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह
5) आलोचना और आलोचना - डॉ. बच्चन सिंह
6) वाद-विवाद-संवाद - नामवर सिंह
7) साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
8) आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
9) हिंदी आलोचना : बीसवी सदी - निर्मला जैन
10) हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
24) साहित्य विविध वाद - डॉ.ओम प्रकाश शर्मा

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)
आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)
इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)
ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 515 - विधा स्वरूप विवेचन

उद्देश्य :

1- काव्य विधाओं के तत्त्वों का परिचय कराना ।

2- कथा साहित्य के तत्त्वों का परिचय कराना ।

3- नाटक एवं एकांकी के तत्वों का परिचय कराना ।

4- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय कराना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	काव्य विधाएँ: प्रबंधकाव्य, महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं गीति काव्य का तात्विक विवेचन एवं प्रमुख रचनाकार	15
2	कथा साहित्य : तात्विक विवेचन एवं प्रमुख रचनाकार (लघुकथा-कहानी-उपन्यास)	15
3	नाटक-एकांकी-रेडिओ एकांकी : तात्विक विवेचन एवं प्रमुख रचनाकार	15
4	कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं का तात्विक विवेचन एवं प्रमुख रचनाकार (निबंध-व्यंग्य, रेखाचित्र-संस्मरण, आत्मकथा-जीवनी, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, पत्रकारिता, डायरी, पत्र, यात्रावृत्त, आलोचना-शोध एवं अन्य नव्यतम विधाएँ)	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिंदी का गद्य साहित्य : रामचन्द तिवारी

2.हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

3. हिंदी की गद्य विधाएँ-बैजनाथ सिंहल ,हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

4. कथेतर गद्य विधाएँ : विविध विमर्श – डॉ.राहुल बदने

5. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. हिंदी गद्य मीमांसा - रमाकांत त्रिपाठी
7. साहित्य की गद्य विधाएँ - प्रो. हरिमोहन
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. हिंदी गद्य विधाएं : हरिमोहन
10. गद्य विविधा : डॉ. राकेश गुप्त, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
11. हिंदी गद्य संकलन : मधुलिका राय, एस.चन्द एन्ड कंपनी लि. रामनगर, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 516 - विशेष रचनाकार- प्रेमचंद

उद्देश्य :

1- प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय कराना ।

2- प्रेमचंद के कथा साहित्य से परिचय कराना ।

3- प्रेमचंद की विचारा धारा से परिचित कराना ।

4- प्रेमचंद साहित्य और हिंदी सिनेमा पर प्रकाश डालना

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 शोध-अभ्यास

पाठ्यक्रम -

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	प्रेमचंद की विचारधारा और उनका साहित्य प्रेमचंद का साहित्य और किसान विमर्श प्रेमचंद के साहित्य में दलित प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री प्रेमचंद और सिनेमा	15
2	गबन-प्रेमचंद (उपन्यास)	15
3	प्रेमचंद की कहानियॉ – ईदगाह, पूस की रात, कफन, बडे भाई साहब, पंच परमेश्वर, सभ्यता का रहस्य, नशा, ठाकुर का कुँआ, नया विवाह, बेंटोवाली विधवा	15
4	संग्राम (नाटक)-प्रेमचन्द	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्यपुस्तक :-

1.गबन-प्रेमचंद,राजपाल एंड संस,दिल्ली

2. संग्राम (नाटक)-प्रेमचन्द- डायमंड पाकेट बुक्स

संदर्भ ग्रंथ :

1- *प्रेमचंद - घर में - शिवरानी देवी*

2- *प्रेमचंद : एक विवेचन - इन्द्रनाथ मदान*

3- *प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा*

4- *प्रेमचंद : कलम का सिपाही - अमृतराय*

5- *प्रेमचंद - मदनगोपाल*

6- *प्रेमचंद - जीवन, कला एवं कृतित्व - हंसराज रहबर*

7- *प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन - नंददुलारे वाजपेयी*

8- *कथाकार प्रेमचंद - मन्मथनाथ गुप्त*

9- *प्रेमचंद : एक अध्ययन - राजेश्वर गुरु*

10- *प्रेमचंद की उपन्यास कला - जनार्दन प्रसाद राय*

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय **:- 2 घंटे** **कुल अंक :-80**

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए I (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए I (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए I(05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए I(05 अंक)

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) -10 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) -15 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) -10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 517- विशेष रचनाकार- सुशीला टाकभोरे

उद्देश्य :

१. सुशीला टाकभौरे के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय कराना ।
२. सुशीला टाकभौरे के कहानी साहित्य से परिचय कराना ।
३. सुशीला टाकभौरे के आत्मकथा से परिचित कराना ।
४. सुशीला टाकभौरे के कविताओं से परिचित कराना ।
५.

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान
5 स्वाध्याय

पाठयक्रम :

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	सुशीला टाकभौरे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	15
2	कहानी संकलन -टूटता वहम	15
3	काव्य संकलन- -यह तुम भी जानो	15
4	आत्मकथा -शिकंजे का दर्द	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

पाठ्य पुस्तकें

1. टूटता वहम - सुशीला टाकभौरे, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली
2. यह तुम भी जानो - सुशीला टाकभौरे, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
3. शिकंजे का दर्द - सुशीला टाकभौरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

1.दलित लेखन में स्त्री चेतना की दस्तक संकलन-सम्पादन – शिवरानी प्रभात पुहाल, प्रकाशक अक्षर शिल्पी ,दिल्ली

2.सुशीला टाकभौर के साहित्य में दलित महिला चेतना डॉ. सरिता ,प्रकाशन साहित्य संस्थान, गाजियाबाद

3.दलित चेतना और सुशीला टाकभौर साहित्य- डॉ. विनोद चौधरी ,प्रकाशन उत्कर्ष पब्लिशिंग एंड डिस्टरबूटिंग , कानपुर

4.सुशीला टाकभौर के उपन्यास – डॉ. राजमुनी, अमन प्रकाशन, कानपुर

5.मेरे साक्षात्कार - सुशीला टाकभौर,शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली

6. संवादों के सफ़र- सुशीला टाकभौर, शिल्पायन प्रकाशन, नई दिल्ली

7. सुशीला टाकभौर के साहित्य में दलित नारी संवेदना - डॉ.शिवगंगा रंजनगी

8. हिंदी लेखिकाओं की आत्मकथा- डॉ.राजेश्वरी राजन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद

9. उपन्यासकार सुशीला टाकभौर एवं नारी अस्मिता- डॉ.संध्या कदम,विनय प्रकाशन, कानपुर

10. सुशीला टाकभौर कृत शिकंजे का दर्द में दलित जीवन – डॉ.के.साईलता

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे | कुल अंक :-80

भाग - अ 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए I (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए I (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए I(05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए I(05 अंक)

भाग - ब 60अंक

प्रश्न 1 ला :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 2 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 3 रा :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 10 अंक

प्रश्न 4 था :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत) - 15 अंक

प्रश्न 5 वाँ :- सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत) - 10 अंक

वैकल्पिक प्रश्नपत्र - 518 - विशेष रचनाकार -शंकर पुणतांबेकर

उद्देश :

1. डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के जीवन एवं रचना परिचय से छात्रों को अवगत कराना ।
2. डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी के साहित्यिक योगदान को रेखांकित करना ।
3. व्यंग्य विधा का सैद्धांतिक विवेचन करना ।
4. व्यंग्य की सैद्धांतिकी के आधार पर डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी के व्यंग्य साहित्य का मूल्यांकन करना !
5- व्यंग्य विधा में डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी के योगदान को उजागर करना ।

अध्ययन - अध्यापन पद्धति : -

1. व्याख्यान पध्दति
2. शोध-कार्यशाला का आयोजन
3. दृक- श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. विशेषज्ञों के व्याख्यान

5 शोध-अभ्यास

पाठयक्रम :

	पाठयांश	तासिकाएँ
1	व्यंग्य विधा के सैद्धांतिक विवेचन तथा डॉ. शंकर पुणतांबेकर जी का जीवन एवं रचना परिचय : व्यंग्य की परिभाषा और स्वरूप, व्यंग्य से संबंधित शब्दावली, व्यंग्य के प्रमुख तत्त्व, स्वातंत्रपूर्व/स्वातंत्रोत्तर हिन्दी व्यंग्य का विकास, डॉ.शंकर पुणतांबेकर जीवन,परिचय,डॉ.पुणतांबेकर पुरस्कार एवं सम्मान	15
2	डॉ.शंकर पुणतांबेकर जी की व्यंग्य कथाएँ : लोकतंत्र है यह (जंगल में इस इस कथा संकलन से), वासनाकांड (तेरहवाँ डिनर इस कथा संकलन से), अजंठा की एक नई गुफा (पराजय की जुबली इस कथा संकलन से), बिखरे हुए संदर्भ (कट आउट इस संकलन से), एक दौरे पर (मेरी फाँसी इस संकलन से)	15
3	डॉ.शंकर पुणतांबेकर का व्यंग्य नाटक : सफेद कौवें काले हंसः सफेद कौवें काल हंस-कथावस्तु, प्रमुख तथा गौण पात्र एवं चरित्र चित्रण,संवाद कौशल, उद्देश्य एंव देशकाल वातावरण, कथ्यगत एवं शिल्पगत विशेषताएँ	15
4	डॉ.शंकर पुणतांबेकर का आत्मचरित्र : बिखरे पन्ने (निम्नलिखित अंश)- आत्मकथा क्यों?, कुछ वर्तमान की-१,लेखन की बात, कुछ रेंगते सवाल, मैं और मेरा व्यंग्य, व्यंग्य अमरकोश से मिलिए, लघुकथा : जैसे मैंने देखी-लिखी, कुछ प्रसंग-७, शंकर रिचाए पर बात-१, क्या खोया क्या पाया	15
	टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	

प्रोफेसर डॉ. शिवाजी सांगोळे
शोध - निर्देशक एवं हिन्दी विभाग प्रमुख
मोरेश्वर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय,मोकलस्थ

संदर्भ सूची :

1- व्यंग्य चेतना और शंकर पुणतांबेकर -डॉ. सुरेश माहेश्वरी

2- हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान-प्रा. अनुपमा प्रभुणे

3- स्वातंत्रोत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध-डॉ.शशि मिश्रा

4- शंकर पुणतांबेकर शोध प्रबंध-डॉ.मीना भंडारी,कल्याण

5- व्यंग्य के परिप्रेक्ष्य में शंकर पुणतांबेकर के साहित्य का मूल्यांकन शोध प्रबंध-डॉ.जितेन्द्र नाना कोले

6- शैलीकार शंकर पुणतांबेकर-प्रा.डॉ.ओमप्रकाश शर्मा

7- येथे शब्द माझे जळती व्यंग्य छटा-डॉ.शंकर पुणतांबेकर लिखित मराठी किताब

प्रश्नपत्र का प्रारूप और अंक विभाजन

अंतर्गत निरंतर मूल्यांकन		सत्रांत परीक्षा	कुल अंक
टिटोरियल्स/प्रकल्प/स्वाध्याय	मौखिकी	80	100
10	10		

समय :- 2 घंटे — कुल अंक :-80

भाग - अ — 20 अंक

लघुत्तरी प्रश्न

अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (05 अंक)

आ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । (05 अंक)

इ) सही पर्याय का चयन कर उत्तर लिखिए । (05 अंक)

ई) सुमेलित कीजिए । (05 अंक)

भाग - ब — 60अंक

प्रश्न 1 ला :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 2 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 3 रा :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 10 अंक
प्रश्न 4 था :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प समेत)	- 15 अंक
प्रश्न 5 वाँ :-	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखिए (विकल्प समेत)	- 10 अंक

प्रोफेसर डॉ शिवाजी सांगोळे
शोध - निर्देशक एवं हिन्दी विभाग प्रमुख
मोरेश्वर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य
महाविद्यालय,ओकरदन